AMAR UJALA MY CITY Page 5

नैक की तैयारियों को परखेंगे राज्यपाल और शिक्षा मंत्री

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेजों की नैक की तैयारियों को परखने के लिए मंगलवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ऑनलाइन कार्यशाला में शामिल होंगे। कार्यशाला के माध्यम से वे लविवि तथा इसके संबद्ध कॉलेजों की नैक ग्रेडिंग पर चर्चा करेंगे। इसमें एलयू वीसी समेत तमाम कॉलेजों के प्राचार्य भी शामिल होंगे। लविवि समेत ज्यादातर महाविद्यालय इस समय नैकविहीन हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सभी कॉलेजों के लिए नैक की ग्रेडिंग अनिवार्य कर रखी है। यह अनिवार्यता विवि के साथ ही राजकीय, अनुदानित तथा स्ववित्तपोषित कॉलेजों के लिए भी है। लविवि ने वर्ष 2014 में नैक की ग्रेडिंग कराई थी, लेकिन इसकी अवधि चार मई 2019 को समाप्त हो गई थी। उस समय लविवि को बी ग्रेड से संतोष करना पड़ा था। विवि प्रशासन ने निर्धारित अवधि में निरीक्षण कराना तो दूर इसके लिए आवेदन तक नहीं किया है। इसलिए इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है ताकि लविवि के साथ ही महाविद्यालय नैक के लिए आवेदन कर सकें।

अभिनव गुप्त संस्थान के लिए सरकार करेगी सहयोग : डॉ. शर्मा

लखनऊ। अभिनव गुप्त संस्थान स्वच्छंद कला शास्त्रीय एवं शैव दर्शन का महत्वपूर्ण केंद्र है। इस केंद्र को विकसित करने के लिए राज्य सरकार अपना पूरा सहयोग करेगी। उप मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने सोमवार को लविवि के अभिनव गुप्त संस्थान तथा संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग की ओर से आयोजित वेबिनार में यह बात कही। दो दिवसीय राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी के सभाध्यक्ष पद को लखनऊ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने संबोधित किया। मुख्य वक्ता संस्थान के पूर्व निर्देशक प्रो. नवजीवन रस्तोगी रहे। उन्होंने संस्कृत और शैव दर्शन के क्षेत्र में उनके योगदान पर बात की। संस्थान के निर्देशक पद्मश्री प्रोफेसर बृजेश कुमार शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत किया।

NBT Page 6

एलयू करवाएगा बीएड प्रवेश परीक्षा
29 जुलाई को परीक्षा, 16 तक लें प्रवेश पत्र

■ एनबीटी, लखनऊ : प्रदेश में बीएड प्रवेश परीक्षा 29 जुलाई को होगी। परीक्षा का जिम्मा लखनऊ विवि को सौंपा गया है। समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेई की अध्यक्षता में सोमवार से परीक्षा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कोरोना से बचाव के लिए सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए प्रदेश के 73 जिलों में 1440 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित करवाई जाएगी। राजधानी में ही 100 से अधिक परीक्षा केंद्र होंगे। इसके साथ ही प्रदेश की चौदह स्टेट यूनिवर्सिटीज सहित सोलह नोडल सेंटर भी बनाए गए हैं।

73 जिलों में 1440 केंद्रों पर होगी परीक्षा, हर केंद्र पर 300 अभ्यर्थी होंगे शामिल

केंद्रों पर सैनिटाइजेशन व सोशल डिस्टेंसिंग के लिए मुस्तैद रहेंगे अधिकारी

प्रो. अमिता बाजपेई के अनुसार पहले 900 केंद्रों पर परीक्षा करवाने की तैयारी थी। हालांकि सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए अब 1440 केंद्र बनाए जाएंगे। इसके साथ ही हर केंद्र पर अभ्यर्थियों की संख्या भी कम की गई है। पहले एक केंद्र पर 500 अभ्यर्थी शामिल होने थे, जबकि अब 300 ही शामिल होंगे। परीक्षा केंद्र का चुनाव करने के लिए हर जिले में स्थानीय प्रशासन की मदद ली जाएगी। परीक्षा केंद्र ज्यादा हो जाने के कारण हर जिले में एडिशनल नोडल अफिसर नियुक्त किए जाएंगे। इसके अलावा परीक्षा केंद्र निर्धारित होते ही सेंटर इंचार्ज के साथ बैठक भी की जाएगी।

जनपदीय परीक्षा केंद्र को प्राथमिकता

कोरोना के खतरे को देखते हुए अभ्यर्थियों को देवारा परीक्षा केंद्र चुनने का मौका दिया गया था। ऐसे में 1 लाख 10 हजार अभ्यर्थियों ने जनपदीय परीक्षा केंद्र का चयन किया है। प्रो. बाजपेई के अनुसार कुल 4 लाख 31 हजार अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। राजधानी के सी से अधिक केंद्रों पर ढाई लाख से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

सैनिटाइजेशन के लिए दो से ढाई करोड़ रुपये

प्रो. बाजपेई ने बताया कि पूरी परीक्षा करवाने में करीब 55 करोड़ रुपये खर्च होंगे। कोरोना को देखते हुए करीब दो से ढाई करोड़ का अतिरिक्त बजट बनाया जाएगा, जो सिर्फ सैनिटाइजेशन के लिए होगा। पहली पाली की परीक्षा के बाद सभी केंद्रों को सैनिटाइज करवाने के बाद दूसरी पाली की परीक्षा होगी। इसके साथ ही सभी केंद्रों पर मास्क व सैनिटाइजर भी उपलब्ध होंगे। हर परीक्षा केंद्र पर सैनिटाइजेशन सुपरिंटेंडेंट नियुक्त किए जाएंगे, जिन पर सेशल डिस्टेंसिंग व सैनिटाइजेशन का जिम्मा होगा।

अभ्यर्थियों को लाना होगा मास्क और सैनिटाइजर

प्रो. बाजपेई ने बताया कि अभ्यर्थी 16 जुलाई तक वेबसाइट से एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को परीक्षा के दौरान मास्क व सैनिटाइजर लाना अनिवार्य होगा। इसके निर्देश एडमिट कार्ड पर छपे होंगे। हालांकि अगर कोई मास्क या सैनिटाइजर लाना भूल गया तो केंद्र पर नियुक्त सैनिटाइजेशन सुपरिंटेंडेंट से संपर्क करके ले सकेगा।

'अभिनव गुप्त के संस्कृत शास्त्रीय अवदान'

■ एनबीटी, लखनऊ : लविवि के संस्कृत और प्राकृत भाषा विभाग की ओर से 'अभिनव गुप्त के संस्कृत शास्त्रीय अवदान' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय ई संगोष्ठी सोमवार से शुरू हुई। मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री प्रो.दिनेश शर्मा मौजूद रहे। मुख्य वक्ता पूर्व निर्देशक प्रो. नवजीवन रस्तोगी ने व्याख्यान दिया। वहीं, संस्थान के निर्देशक पद्मश्री प्रो.बृजेश कुमार शुक्ल ने संस्थान का महत्व और इतिहास के बारे में अवगत करवाया। ई-संगोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। लाइव प्रसारण यूट्यूब चैनल के माध्यम से भी किया गया।

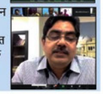

नैक मूल्यांकन पर ऑनलाइन वर्कशॉप आज

■ एनबीटी, लखनऊ : नैक मूल्यांकन के लिए लविवि में मंगलवार को ऑनलाइन वर्कशॉप का आयोजन होगा। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल मौजूद रहेंगी। इसके साथ ही एलयू से संबंद्ध सभी कॉलेज के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। वर्कशॉप में नैक मूल्यांकन से संबंधित जानकारी साझा की जाएगी। सुबह 11 बजे से शुरू होने वाली कार्यशाला के लिए शिक्षकों को यू ट्यूब लिंक भी दिया गया है।

HINDUSTAN Page 6 & 7

लखनऊ में 100 केंद्रों पर बीएड प्रवेश परीक्षा

लखनऊ। बीएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन राजधानी समेत प्रदेश के 73 जिलों में बने 1440 केंद्रों पर किया जाएगा। कोरोना संक्रमण को देखते हुए सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखने के लिए सिर्फ राजधानी में 100 केंद्रों पर परीक्षा कराने का फैसला लिया गया है। बीएड समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेई की अध्यक्षता में सोमवार को तैयारी शुरु कर दी गई है। इस बार परीक्षा के लिए करीब 4.31 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

मूल्यांकन पर आज ऑनलाइन कार्यशाला

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से नैक मूल्यांकन को लेकर मंगलवार को ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जा रही है। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा भी इसमें मौजूद रहेंगे। यह जानकारी कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि 'नैक मूल्यांकन एवं उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधार' विषय पर आधारित कार्यशाला सुबह 11 बजे शुरू होगी।

एलयू में एमएसएमई पर एमबीए पाठ्यक्रम शुरू होगा: कुलपति

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय अब युवाओं को लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रम (एमएसएमई) प्रबंधन का पाठ भी पढ़ाएगा। साथ ही छात्रों को रोजगार शुरू करने का तरीका भी बताएगा। विश्वविद्यालय ने इस विषय में एमबीए पाठ्यक्रम शुरू करने का फैसला लिया। इसकी घोषणा विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सोमवार को 'हिन्दुस्तान' के ई-संवाद में की। प्रदेश में इस तरह का पाठ्यक्रम शुरू करने वाला लविवि पहला राज्य विश्वविद्यालय होगा। प्रो. राय ने यह भी कहा कि यह मेक इन इंडिया 2.2 का सबसे उपयुक्त समय है।

आईटी सेक्टर में संभावनाएं:

प्रो. राय ने बताया कि यह एमबीए पाठ्यक्रम इसी शैक्षिक सत्र से, विवि के नवीन परिसर में संचालित इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस में शुरू होगा। प्रो. राय ने कहा कि आने वाला समय इन्फॉर्मेशन, कम्यूनिकेशन एंड टेक्नोलॉजी का है। इसे देखते हुए लविवि नए सत्र से एमएससी कम्प्यूटर साइंस पाठ्यक्रम भी शुरू करेगा। इसके अलावा, इंजीनियरिंग फैकल्टी में 33 प्रतिशत सीटें बढ़ाई जाएंगी।

रोजगार, निवेश का बेहतर अवसर:

प्रो.राय ने कहा कि यह मेक इन इंडिया 2.2 के लिए सबसे उपयुक्त समय है। अच्छी बात यह है कि सरकार भी इस दिशा में कदम बढ़ा रही है। अगर इस समय सही कदम उठाए गए तो कोरोना की चुनौती अवसर में बदल जाएगी।

लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने भी ई-संवाद में हिस्सा लिया।

परिवर्तन करें स्वीकार

कुलपति ने कहा कि मौजूदा हालात में कुछ परिवर्तन हमें स्वीकार करने होंगे। इस सवाल पर कि क्या व्यवस्था ऐसे ही चलेगी, हमारे पास अब तक कोई तथ्यपरक जवाब नहीं है। प्रो. राय ने कहा कि कोरोना काल में लखनऊ विश्वविद्यालय भी बदला है। कोरोना संक्रमण आते ही विवि के केमिस्ट्री विभाग ने खुद का सैनिटाइजर विकसित कर लिया।

भारत की विकास दर विश्व से ज्यादा

एलयू कुलपति ने कहा कि कोरोना से पहले यूएस और चीन विवाद के चलते ग्लोबल ट्रेड की विकास दर 1.5 प्रतिशत थी। 2020 में ग्लोबल ट्रेड 13 से 32% तक गिरा। ओईसीडी के आकलन में इस वर्ष वैश्विक विकास दर 1.5 प्रतिशत तक रहेगी। वहीं आईएमएफ ने भारत की विकास दर 1.9 प्रतिशत तक आंकी।

बेरोजगारी दर गिरी

इंडिया लेबर ऑर्गनाइजेशन के आंकड़ों का हवाला देते हुए प्रो. राय ने बताया कि देश में करीब 40 करोड़ लेबर हैं। सबसे ज्यादा उप्र से हैं। सबसे ज्यादा असर भी यहीं दिखा। लॉकडाउन में अप्रैल में बेरोजगारी दर 7.5% से 24 % हो गई। सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि जून के दूसरे सप्ताह में ही यह दर 17.51 से घटकर 11.63 फीसद हो गई।

रोजगार और निवेश का मौका मिलेगा।

आबादी ही हमारी ताकत:

प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि उप्र की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आबादी मानी जाती है लेकिन असल में यही हमारी ताकत है। आबादी का बड़ा हिस्सा उपभोक्ता है जो अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है। प्रवासी श्रमिक दूसरे राज्यों में काम कर रहे थे, अब उनकी क्षमताएं यहां इस्तेमाल हो सकेंगी।

DAINIK JAGRAN Page 3

73 जिलों में होगी बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से 29 जुलाई को आयोजित की जा रही बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए केंद्रों का निर्धारण कर दिया गया है।

बीएड प्रवेश परीक्षा अब प्रदेश के 73 जिलों में आयोजित की जाएगी। बीएड प्रवेश परीक्षा की राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेई ने बताया कि परीक्षा से लविवि के अतिरिक्त महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या आदि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में प्रवेश होगा।

ई-संगोष्ठी हुई आयोजित

लखनऊ: अभिनव गुप्त संस्थान स्वच्छंद कलाशास्त्रीय एवं शैव दार्शनिक संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग लविवि द्वारा अभिनव गुप्त संस्कृत शास्त्रीय अवदान पर सोमवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय ई- संगोष्ठी आयोजित की गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए संस्थान तत्पर है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि ऐसी संगोष्ठी शोधार्थियों के लिए बहुत उपयोगी साबित होंगी। (जासं)

AMRIT VICHAR Page 3

बीएड प्रवेश परीक्षा की तैयारियों में जुटा लविवि

अमृत विचार लखनऊ

- 29 जुलाई को होगी प्रवेश परीक्षा
- कॉलेजों से मांगा गया मूलभूत सुविधाओं का ब्योरा
- 60 जिलों में 1500 से अधिक परीक्षा केन्द्र बनाने की तैयारी

यूपी में बीएड प्रवेश परीक्षा की फाइनल तिथि जारी होते ही लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा केन्द्रों का निर्धारण करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। लखनऊ समेत 60 जिलों के कॉलेजों प्रबंधकों से मूलभूत सुविधाओं का ब्योरा मांगा गया है। साथ ही यह भी पूछा गया है कि एक रूम में कितने परीक्षार्थी बैठ सकते है। उच्च शिक्ष विभाग की ओर से जारी दिशा निर्देश के अनुसार के इस बार कोविड—19 को लेकर जारी गाइडलाइन का भी पालन करते हुए प्रवेश परीक्षा कराया जाना है, ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना है। परीक्षार्थियों की संख्या भी 4 लाख 32 हजार हो चुकी है, जबकि एक लाख छात्रों ने अपना केन्द्र बदलवाने के लिए आवेदन किया है ऐसे में केन्द्रों की संख्या जहां बढ़ेगी वहीं दूसरी ओर ऐसा पहली बार होने जा रहा है कि जब बीएड प्रवेश परीक्षा 60 जिलो में आयोजित की जोयगी।

अधिकारियों ने बताया कि शेष 15 जिलों के परीक्षार्थियों के 60 जिलों में बने केन्द्रों पर परीक्षा देनी होगी। अधिकारियो ने बताया कि अभी परीक्षा की तिथि जारी की गयी है, और परीक्षा केन्द्रों के निर्धारण की तैयारियां चल रही हैं, संभवतः परीक्षा केन्द्रों की संख्या 1500 के आस—पास हो सकती है। बता दें कि विश्वविद्यालय की ओर से 29 जुलाई को प्रवेश परीक्षा की तिथि घोषित की गई है।

PIONEER Page 4

नैक मूल्यांकन को लेकर ऑनलाइन कार्यशाला आज

लखनऊ। नैक मूल्यांकन को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय मंगलवार को ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के तौर पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल मौजूद रहेंगी। साथ ही एलयू से संबद्ध सभी कॉलेज व महाविद्यालय भी इसमें मौजूद रहेंगे। कार्यशाला में नैक मूल्यांकन से संबंधित जानकारी साझा की जाएगी। कार्यशाला का आयोजन सुबह 11 बजे किया जाएगा। इसके लिए शिक्षकों को यू ट्यूब का लिंक भी दिया गया है।

समय बदल रहा है, इसके साथ चलना होगा

कुलपति ने सुनाई प्रेरक कथा

- कुलपति प्रो. आलोक राय ने एक कहानी सुनाई, कि 'एक गांव में एक विद्वान पंडित जी थे। सारे शास्त्र उनको रटे थे। यहां तक कि उनके तोते ने भी शास्त्र रट लिए थे। एक बार गांव में एक साधु आए, उन्हें सुनने के लिए गांव के लोग जा रहे थे। पंडित जी भी जाने लगे, तो तोते ने साथ चलने की जिद की। पंडित जी ने मना कर दिया, तब तोता बोला, साधु से एक सवाल पूछिएगा कि मेरी मुक्ति कैसे संभव है? पंडित जी साधु से मिलने गए। वह नदी में नहा रहे थे। पंडित जी ने उनसे कहा, मेरे तोते का एक प्रश्न है कि उसको मुक्ति कैसे मिलेगी? यह सुनते ही साधु का शरीर शिथिल हो गया और वह धारा के साथ बह गए। पंडित जी दुखी हो गए। घर जाकर तोते से कहा कि जवाब नहीं मिला और पूरी घटना उसे बताई, जिसे सुनकर तोते का शरीर भी शिथिल हो गया। पंडित जी बहुत दुखी हुए। सोचा कि आज का मुहूर्त ठीक नहीं है। तोते को निकालने के लिए पिंजरा खोला तो वह उड़कर पेड़ पर बैठ गया और बोला, साधु महाराज ने जवाब दिया था, आप समझे नहीं। जवाब था, 'समय की धारा के साथ चलो, उसी में मुक्ति है।' कहानी का सार यही है कि यह समय भी धारा के साथ चलने का है, उन चीजों को पहचानना होगा जिनका आगे भविष्य है।

आलोक कुमार राय, लविवि

- **कम्प्यूटर, आईटी क्षेत्र में क्या संभावनाएं हैं?**

आने वाला समय इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी का है। इसे देखते हुए लविवि ने इसी सत्र से एमएससी कम्प्यूटर साइंस शुरू करने का फैसला लिया है। इसके अलावा इंजीनियरिंग फैकल्टी की सीट भी 33 प्रतिशत तक बढ़ाई जाएंगी। एमएसएमई में एमबीए शुरू होगा।